संघ लोक सेवा आयोग सिविल सेवा - मुख्य परीक्षा
(Download) UPSC IAS Mains Exam Paper - 2017 : भूगोल (Paper - 1)

भूगोल
(प्रश्न पत्र - I)

निर्धारित समय : तीन घंटे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़े :

इसमें आठ **(8)** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं ।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी में प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

जहाँ आवश्यक हो, आरेख / चित्र उत्तर के लिए दिए गए स्थान में ही दर्शाइए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

खण्ड - A

Q1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

(a) कूटज्वालामुखीय लक्षणों पर टिप्पणी लिखिए ।

(b) निम्न ऊर्जा तटों तथा प्रवाल तटों के मध्य विभेद कीजिए।

(c) वायु संहति के व्यवहार पर महासागरीय धाराओं के प्रभावों की विवेचना कीजिए ।

(d) जैविक मरुस्थलों के लक्षणों का वर्णन कीजिए।

(e) सूक्ष्म कार्बन सिंक की संकल्पना एवं इसकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए।

Q2. (a) धरातल पर वायु गति को नियंत्रित करने वाले बलों की विवेचना कीजिए।

(b) "ढाल प्रबंधन में ढाल विश्लेषण के ज्ञान का सीमित क्षेत्रीय उपयोग है।" व्याख्या कीजिए।

(c) प्रशान्त महासागर के तल के संविन्यास का वर्णन कीजिए ।

Q3. (a) जलवायु परिवर्तन एक वास्तविकता है ।" उचित उदाहरणों द्वारा व्याख्या कीजिए ।

(b) चर्मोज़ेम एवं सिरोम मृदाओं के लक्षणों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(c) जल की मात्रा की आवश्यकता के आधार पर पादपों का वर्गीकरण कीजिए ।

Q4. (a) पेल्टियर द्वारा प्रतिपादित परिहिमानी चक्र की संकल्पना का विवेचन कीजिए ।

(b) जलवायु, ढाल प्रवणता तथा शैल संरचना चैनलों के भू-अपदारण को प्रभावित करते हैं ।" व्याख्या कीजिए।

(c) पर्यावरणीय प्रबंधन में प्रत्यक्ष ज्ञान, अभिवृत्ति, मान एवं संवेग (PAVE) सिद्धांत की विवेचना कीजिए ।

खण्ड - B

Q5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

(a) समय-भूगोल की संकल्पना की व्याख्या कीजिए ।

(b) ह्विटल्सी के कृषि प्रदेश आज भी प्रासंगिक हैं ।" विवेचना कीजिए ।

(c) भौगोलिक तंत्रों पर एक व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए ।

(d) वैश्विक संयोजकता की अभिवृद्धि के साथ परम्परागत सांस्कृतिक पहचानों का ह्रास हो रहा है ।" व्याख्या कीजिए ।

(e) धारणीय विकास एवं इसके घटकों पर विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

Q6. (a) भूगोल के समसामयिक प्रतिमानों (पैराडाइम्स) की विवेचना कीजिए ।

(b) ऊर्जा संकट की उग्रता में प्रादेशिक विषमता होती है ।" व्याख्या कीजिए ।

(c) वर्तमान संदर्भ में बलपूर्वक जनसंख्या प्रवास के कारणों एवं परिणामों का परीक्षण कीजिए।

Q7. (a) क्रिस्टालर के केन्द्र स्थान सिद्धांत की प्रयोज्यता की विवेचना कीजिए ।

(b) पश्चिमी यूरोपीय देशों एवं जापान के बीच यथेष्ट जनसांख्यिकीय समानताएँ हैं ।" व्याख्या कीजिए ।

(c) जीवन की गुणता को परिभाषित कीजिए तथा पर्याप्त उदाहरणों सहित इसके प्राचलों की व्याख्या कीजिए ।

Q8. (a) "केन्द्र-स्थल (हार्टलैंड) सिद्धांत एक बार पुन: महत्त्वपूर्ण हो रहा है ।" समीक्षा कीजिए।

(b) प्रादेशिक विकास प्रक्रम में छोटे नगरों की भूमिका का परीक्षण कीजिए।

(c) भारत के सम्बन्ध में सामाजिक पूँजी की संकल्पना की व्याख्या कीजिए ।